RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 32 हल्द्वानी सम्वत् 2079 सोमवार 9 जनवरी 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

वनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

आँसुओं के समन्दर में तैरने वालों की भीड़

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी महानगर के वनभूलपुरा में रेलवे भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर पूरे देश की नज़र है। जिस प्रकार से इस अभियान को प्रशासन व पुलिस ने सख्ती से करने की शुरुआत की है वह कई नजारे दिखाने वाला होगा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने जैसे ही रेलवे भूमि पर अतिक्रमण हटाने को सख्त तेवर दिखाए इससे प्रभावित होने वाले 4000 से ज्यादा परिवार और उनके जानने-पहचानने वालों से लेकर राजनीति में दखल रखने वाले खुलकर सड़कों पर उतर आए। रेलवे व प्रशासन को इस बात का अंदाज तो था कि इस कार्रवाई में भारी विरोध होगा लेकिन यह सोचा भी नहीं था कि जैसे ही वह सीमांकन करने जाएंगे हजारों का सैलाब सड़क पर दिखाई देगा। हल्द्वानी के अलावा बाहर से भी हजारों लोग वनभूलपुरा में पहुँच गये और सड़क पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। ऐसे में प्रशासन ने अपनी रणनीति बदली और जो काम 2022 के अन्त में होना था वह 2023 के आरम्भ करने का निर्णय लिया।

प्रशासन ने तय किया कि सबसे पहले हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास से अतिक्रमण हटाया जायेगा। इस कच्ची बस्ती पर चार सौ मीटर तक अतिक्रमण है। इस बीच सड़कों पर उतरे लोगों को आस लगी रही कि इस बीच सुप्रीम कोर्ट से कोई रास्ता निकल सकता है। अतिक्रमण भूमि पर चालीस हजार की आबादी के हटने पर क्या हो सकता है, इस प्रकार के सवाल भी चारों ओर घूम रहे हैं। 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण बताया जा रहा है। इसमें नगर निगम के 5 वार्ड हैं। जब पक्की बस्ती बस चुकी तो सबकुछ ही जमा-जमाया है। ऐसे में वर्षों से रहने वालों पर क्या गुजर रही होगी सब समझ रहे हैं। शीतकाल में यह सब बहुत ही चुनौती भरा काम है। अपना बचाव करने वाले पीड़ितों और अपनी ड्यूटी करने वाले सरकारी कर्मियों दोनों के लिये यह कठिन समय है। लेकिन यह तो कड़वा सच है कि राजनीति की धन्धेबाजी में इस प्रकार की बस्तियां देशभर में बसती रही हैं। अपने वोट के लिये नेता संरक्षण देते हैं और कई छुटभैये अपनी गुण्डई करते रहते हैं। इन बस्तियों में गरीब परिवार हमेशा से बेमौत वाली स्थिति में रहे हैं। उन्हें हर हमेशा भय रहता है कि कौन कब किस रूप में परेशान करने आ धमके। यही सब कारण है कि चुनावों में लम्बी कतार में इस प्रकार की बस्ती की भीड़ दिखाई देती है। अपने वोट के लिये हर नेता इन्हें चाहता है लेकिन इनके उज्ज्वल भविष्य के लिये सही रास्ता बताने वाला कोई नहीं। यही कारण है कि गलत को और गलत करने की परिपाटी चलती रहती है। इस समय वनभूलपुरा क्षेत्र में आँसुओं का समन्दर सा बना हुआ है और इसमें तैरने वालों की भीड़ भी जुटी है। चर्चा है कि जिस प्रकार कोर्ट ने सख्ती से अतिक्रमणकारियों को खदेड़ने का आदेश दिया है, उसमें कई लोग उग्रता कर सकते हैं। यही आशंका देखते हुए जिला अधिकारी धीराज गर्ब्याल ने लाइसेंसी असले जमा करवाने के आदेश दे डाले थे। पर यह नहीं भूलना चाहिये कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हर समाज में हर जगह माहौल गड़बड़ा देते

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

वनभूलपुरा अतिक्रमण : वैमनस्यता फैलाने वालों से सावधान रहें

उत्तराखण्ड के बड़े शहरों की गिनती में शामिल हल्द्वानी के वनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे भूमि अतिक्रमण हटाने को लेकर चल रही कार्रवाई के समय देखने को मिल रहा है कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले सक्रिय हो गये हैं। हर बात को जाति-धर्म से जोड़कर देखने वाले इस अभियान में भी बिगड़े बोल बोलकर नासमझ लोगों को उलझा रहे हैं। सोशल मीडिया में भी इस प्रकार के कई वीडियो और बातें वायरल होने लगी हैं।

बहुत साफ सी बात है जब रेलवे भूमि में अतिक्रमण हुआ था किसी भी जाति-धर्म के लोगों ने यह नहीं देखा कि कौन अतिक्रमण कर रहा है तो अब यह कैसे कहा जा सकता है कि किसी धर्म विशेष के साथ भेदभाव किया जा रहा है। ठण्डे मन से सोचना चाहिये कि जब कोर्ट का निर्णय है, प्रशासन को कार्रवाई करनी है और पुलिस को कानून व्यवस्था का पालन करवाना है तो नारेबाजी किसके लिये? सम्वेदानएं जरूर हो सकती हैं कि वर्षों से एक स्थान पर रहने वालों को यदि उस जगह से हटाया जाएगा तो कष्टकारी है। इसका प्रभाव उन छोटे बच्चों में ज्यादा ही होगा जो अपनी मासूमियत के साथ अपने परिवार को परेशान हाल देख रहे हैं। अतिक्रमण हटाने वाले शासन प्रशासन के कर्मचारियों का हृदय यह सब करने और डण्डा उठाने पर कांप रहा है लेकिन जब कानून-व्यवस्था पर हमले की आशंका हो, भय का वातावरण हो, खतरनाक लोगों का भीड़ में शामिल हो जाने का अनुमान हो, कठोर होना पड़ता है।

यह भी दिखाई दे रहा है कि मीडिया के सामने और अपने आप से भी बयान देने/भाषण देने वाले कह रहे हैं- 'हम मुसलमानों के साथ ही अन्याय हो रहा है।' इस प्रकार की बातें ठीक नहीं हैं। इस प्रकार की हवा देने के लिये कोई भी पार्टी और संगठनों को बचना चाहिये। साथ ही मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वह किसी भी प्रकार से वैमनस्यता को न फैलने दे। यदि सहयोगात्मक भावना है तो उजड़ती बस्ती के पुनर्वास के लिये अपने सुझाव दें और भावनात्मक भय पैदा न करें। हल्द्वानी में इस समय जो कुछ हो रहा है पूरे प्रदेश व देश की नज़र इस ओर है।

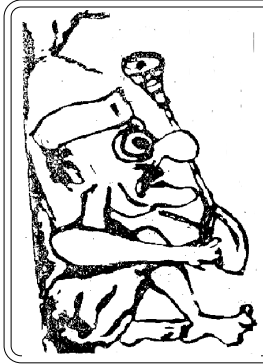

फसक

दाज्यू, लट्ठफोड़ होते रहने वाली ठैरी

कोरोना से ज्यादा रोना मच रहा है बल

दाज्यू, कोरोना का खतरा बढ़ता देख हमने मास्क लगा लिया है और गरम पानी पी रहे हैं। हमारा ननकू भी गुदड़ी का लाल बना हुआ है। चुपचाप अपना काम फिर ठण्ड से बचने के लिये कम्बल लपेट कर घर में हैं। दाज्यू, पूरे इलाके को समझा दिया है कि सावधान रहें, सुरक्षित रहें लेकिन जुवा नेता गोधन नहीं मान रहा है। कहता है- 'छात्र संघ वाला है, बहुत तैयारी के बाद चुनाव जीता है। अब सबको ठीक कर देगा। सारा सुधार होना है। मक्की, सोनी, गुड़िया, तारा के विषय बदलवाने हैं। कैन्टीन देखनी है, पुस्तकालय देखना है, खेल की टीम जानी है, सर लोगों को देखना है।' दाज्यू, गोधन की बात सुनकर समझ ही नहीं आ रहा है कि कोरोना के दिनों में वह क्यों फैल रहा है? गोधन को क्या कहें, वैसे भी कोरोना से ज्यादा रोना मच रहा है बल। अपनी डाड़ और अपनी धार बड़ी दिखाई देने वाली ठैरी। जिसको अवसर मिल गया वह पार।

दाज्यू, लट्ठफोड़ होते रहने वाली ठैरी। आप चिन्ता मत करो। पौष के इस कड़क ठण्ड में अपना ख्याल रखना। सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक लोन मामले में वीडियोकॉन के संस्थाक वेणुगोपाल धूत को पकड़ लिया। हमारी समझ में इतनी बड़ी कम्पनियां और इतने बड़े लोग आज तक नहीं आए। ये क्या करते हैं, कहाँ जाते हैं, क्या खाते हैं, क्या ओढ़ते हैं। सबकुछ तो ठैरा इनके पास। फिर.....

सीए सैप ने निर्देश दिए हैं कि विकास की हकीकत जानने के लिये सचिवालय अफसर फील्ड में जाएंगे। दाज्यू, फील्ड बहुत बड़ा होने वाला ठैरा. .....जाते-जाते लगुवा-भगुवा.....चार विराम होता है बल। देख लो, प्रदेश में पंजीकृत करीब 3.25 लाख वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र जाँच के घेरे में हैं बल। मारे ठण्ड के जो आफत मची है, ऊपर से आंचल और मदर डेयर ने दूध के दाम बढ़ा दिये हैं। दाज्यू, दाम बढ़ें या घटें दूध भी पतलेन हो गया ठैरा। इलाके में शाम होते ही अद्धे-पव्वे की बात शुरु हो जाती है। भगवान जाने कैसा विकास हो रहा है। कांग्रेसी नेता हरीश पनेरू अपने साथियों के साथ राशन-पानी लेकर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पहुँच गये। उनका कहना था- 'यूओयू फर्जी प्रमाणपत्र दे रहा है। वर्तमान में कोई भी कम्पनी उन्हें मान्य नहीं बता रही है। डिग्रियों को फर्जी बताकर युवाओं को नौकरी पर नहीं रखा जा रहा है।' दाज्यू, कुलपति ओपीएस नेगी ने युवाओं से बातचीत कर कहा- 'डिप्लोमा कोर्सों के तकनीकी बिन्दुओं के परीक्षण के लिये कमेटी गठित कर दी गई है।' दाज्यू, नई शिक्षा नीति का ढोल खूब बज रहा है लेकिन विभिन्न प्रकार की शिक्षाओं के प्रमाण पत्रों को आज तक नहीं जाँचा जा सका है जिस कारण कई का भविष्य खराब हुआ है। बीए-एम के कागज बटोरने वालों को ही पढ़ा-लिखा मानने की प्रथा ठैरी हमारे वहाँ। पुरोला के विधायक दुर्गेश लाल के लेटरपैड पर फर्जी हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री और जिला अधिकारी उत्तरकाशी को शिकायत की गई बल। दाज्यू, विधायक दुर्गेश कह रहे हैं- 'मुख्यमंत्री कार्यालय से फर्जी पत्र की जानकारी मिली है।'

दाज्यू, इससे पहले कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के एक फाइल पर भी फर्जी हस्ताक्षर हो गये थे बल। हमारी समझ नहीं आता है कि मंत्री-विधायक के लेटरपेड और फाइल जब उनके मुताबिक हों तो ठीक वरना फर्जी हो जाने वाले ठैरे। इनके आगे-पीछे कौन कौन घूमते रहते हैं.....जाँचना चाहिये। ये सब लट्ठफोड़ नियम हुए। सबका अपना रोना ठैरा। कांग्रेस नेता जयेन्द्र रमोला आरोप लगा रहे हैं कि वित्त मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल के बेटे पीयूष ने तपोवन में खरीदी प्रापर्टी में भवन निर्मित होने का तथ्य छिपाकर स्टाम्प चोरी की है। इस पर प्रेमचन्द अग्रवाल भी गुस्से में हैं। अग्रवाल कह रहे हैं- 'रमोला लगातार मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाते आ रहे हैं। उन पर खुद जमीनों पर कब्जे के आरोप हैं।' दाज्यू, दाज्यू ये सब क्या हो रहा है? -तुम्हारा भुली झकरुवा

बोक्सा कल्याण परिषद का संचालन करने हेतु पदों पर नियुक्ति की मांग

पि.हि.प्रतिनिधि

देहरदून/हल्द्वानी। बुक्सा आदिम जाति उत्थान समिति उत्तराखण्ड ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए मांग की है कि राज्य में बोक्सा कल्याण परिषद का संचालन करने हेतु परिषद के पदों पर नियुक्ति की जाए। संगठन की ओर से अपनी इस मांग को लेकर पिछले लम्बे दिनों से आवाज उठाई जा रही है। संगठन के गोविन्द सिंह, सचिव सोमल सिंह, मुख्य संरक्षक दर्शन लाल सहित तमाम पदाधिकारियों ने प्रशासन के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजते हुए कहा है कि उत्तराखण्ड शासन समाज कल्याण अनुभाग के पत्र द्वारा बोक्सा परिषद गठन किया गया था, जिसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष व नौ सदस्य नामित किये गये थे। राज्य में नई सरकार बनने पर राज्य बोक्सा कल्याण परिषद की कार्यकारिणी को निलम्बित कर दिया गया था। जबकि संरक्षित बोक्सा आदिम जनजाति की स्थिति उनके आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक रूप से अन्य जातियों की अपेक्षा सभी निर्धन एवं पिछड़ा होने के कारण उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 981 से आदिम जनजाति समूह की श्रेणी में रखा गया है। अतः परिषद संचालन को पदों पर नियुक्ति की जाए। प्रदेश के 2216 गाँवों में 70,000 की बोक्सा आदिम जनजाति निवास करती है। इसके उत्थान के लिये ठोस कदम उठाए जाएं।

किस्त न मिलने से तोमिक ग्राम पंचायत के झापुली में निर्माण कार्य बाधित

मनोज बोथ्याल

मुनस्यारी। विकासखण्ड के अति दुर्गम क्षेत्र तोमिक ग्राम पंचायत के झापुली गाँव में आपदा पीड़ितों के निर्माणाधीन मकान के लिये दूसरी किस्त न मिलने से मकान का कार्य बाधित है। शीतकाल के इस चरम समय में पीड़ित परिवारों के सामने और भी कठिन परस्थितियां हो चुकी हैं।

तोमित ग्राम सभा के तोमिक गाँव में चार परिवार उत्तम सिंह, प्रेम सिंह, पार्वती देवी और राम सिंह का मकान आपदा काल के दौरान ध्वस्त हो गए थे। इन चारों परिवारों को विस्थापन के लिए 4 लाख 25 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई, जिसमें से प्रथम किस्त में 2 लाख 15 हजार रुपये की धनराशि आवंटित हुई थी। इस धनराशि से मकान का ढांचा तो बन गया है परन्तु छत से लेकर अन्य कार्य और होना है। कार्य का यह अवरोध दूसरी किस्त मिलने पर ही दूर हो सकता है। बताते चलें कि सीमान्त का दूरस्थ इलाका तोमिक आपदा में जितना घायल हुआ उतनी ही परेशानी पीड़ित परिवार आज तक झेल रहे हैं। आपदा के दौरान जान बचाकर इन ग्रामों के लोगों ने इधर उधर शरण ली और आज भी वह जूझ रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम सिंह दानू ने कहा है कि यह मामला गम्भीर है, शीघ्र दूसरी किस्त जारी नहीं हुई तो चारों परिवारों को साथ लेकर जिला मुख्यालय पिथौरागढ़ में जिलाधिकारी कार्यालय के सम्मुख धरना दिया जायेगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ठंड से ठिठुरता उत्तराखण्ड

शीतलहर से पहाड़ व कोहरे से मैदान में आफत

ठण्ड से उत्तराखण्ड समेह उत्तर भारत ठिठुर रहा है। पहाड़ी राज्य के जिलों में सुबह शाम घना कोहरा होने से लोगों को मुश्किल हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में अभी यही हाल रहेगा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अभी हाड़ गलाने वाली सर्दी हो रही है। इसी प्रकार चिकित्साक विशेषज्ञों ने शीत और कोरोना से बचाव के लिये कहा है।

शीतलहर से पहाड़ और कोहरे से मैदान में इन दिनों आफत मची हुई है। मौसम के कहर को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी करनी पड़ी। तराई क्षेत्र उधम सिंह नगर व हरिद्वार जनपद में तो शीत के कारण जनजीवन ठहर सा चुका है। ऐसे में वाहनों की रफ्तार में ब्रेक हैं। मौसम कोहरा देखते हुए इन दिनों में यात्रा टालना ही ठीक है। मुनस्यारी में न्यूनतम पारा माइनस तीन तक पहुँच चुका है। व्यास, चौंदास एवं दारमा घाटियों में झरनों में पानी जमने लगा है। निचले इलाकों में पाला गिरने से सुबह-शाम हाड़ कंपाने वाली ठण्ड पड़ रही है। उच्चहिमालय क्षेत्र में तापमान शून्य से माइनस 1.5 डिग्री तक नीचे जा चुका है। सर्द हवाओं का प्रभाव शहरों तक हो चुका है। लगातार गिर पहले पाले के कारण चीन सीमा को जोड़ने वाली दारमा घाटी की सोबला-ढाकर सड़क वाहनों के लिये खतरनाक हो गई है। रास्ते में फंसे वाहनों को सेना के वाहनों की मदद से निकाला गया। सड़क फिसलनदार होने के कारण पंचाचूली ग्लेशियर में पर्यटकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। अंग्रेजी नववर्ष 2023 के अवसर पर सैलानी उत्तराखण्ड की ओर उमड़े लेकिन ठण्ड ने उनके कदमों को सीमित रखा। यही कारण है कि दूरस्थ सुन्दर क्षेत्रों तक पर्यटक नहीं पहुँच सके। इस बीच शीत का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, ऐसे में नगर पालिका, पंचायतों ने अलांव जलाने के इन्तजाम भी किये हैं। कुछ समाजसेवी भी अपनी ओर से मददगार हैं

चंद्रभागा में गैस भट्टी शवदाहगृह

पिथौरागढ़। नगर पालिका परिषद नगर के चन्द्रभागा क्षेत्र में गैस भट्टी शवदाह गृह बनाएगी। इसकी डीपीआर शासन को भेज दी गई हे। नगर के लोगों को शवदाह के लिये 36 किमी दूर रामेश्वर जाना पड़ता है। तमाम संगठनों द्वारा चन्द्र भागा में अत्याधुनिक तकनीकी वाला शवदाह गृह बनाए जाने की मांग लम्बे समय से की जा रही थी। पालिकाध्यक्ष ने बताया है कि 91.31 लाख की डीपीआर स्वीकृति शासन को भेजी गई है। इसके लिये राज्य वित्त आयोग से धनराशि शीघ्र मिलने की उम्मीद है। शवयात्रियों की सुविधा को देखते हुए शौचालय और स्नानगृह का निर्माण पालिका स्तर से कराया जायेगा।

निहारिका बनी रं महिला यूथ फोरम अध्यक्ष बनी

धारचूला। 33 वर्ष्ज बाद रं महिला फारम का गठन किया गया। रं कल्याण संस्था के केन्द्रीय अध्यक्ष बिशन सिंह बोनाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में निहारिका गर्ब्याल को अध्यक्ष, प्रेमा कुटियाल को महासचिव, उर्मिला गुंज्याल को सांस्कृतिक सचिव, बिन्द्रा रौंकली को खेल सचिव बनाया गया है। भागीरथी गर्ब्याल, छोरी देवी, भागीरथी ह्यांकी को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

केन्द्र सरकार खरीदेगी मंडुवा

प्रदेश सरकार के केन्द्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग को फसल वर्ष 2022-23 के लिए मंडुवा की खरीद का प्रस्ताव भेजा था, जिसे केन्द्र सरकार ने मंजूरी दी है। इसके लिये सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पीएम नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

भाकपा माले का सम्मेलन

गोपेश्वर। भाकपा माले के गढ़वाल मण्डल सम्मेलन में कामरेड कैलाश पाण्डे ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों की नीलामी पूंजीपतियों को लाभा पहुँचाने के लिये की जा रही है। सरकार की इस तरह की नीतियों के खिलाफ देशवासियों को जगना होगा। उन्होनं कहा कि मौजूदा दौर में कथित विकास के मॉडल से आम जनता के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है। भाकपा माले के गढ़वाल सचिव इन्द्रेश मैखुरी ने कहा कि उत्तराखण्ड में नौकरियों, संसाधनों और जीवन की लूट बेधड़क चल रही है। सम्मेलन में पार्टी महाधिवेशन के लिये कामरेड अतुल सती को चुना गया। इसके तहत इन्द्रेश मैखुरी, अतुल सती, मदन मोहन चमोली, किशन बिष्ट, धन सिंह बिष्ट, शिवानी पाण्डे, योगेन्द्र काण्डपाल चुके गये। इन्द्रेश को पुनः पार्टी का गढ़वाल सचिव चुना गया।

श्रद्धांजलि

पीएम की माता हीराबेन मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता हीराबेन मोदी का 30 दिसम्बर 2022 को प्रातः 3.30 बजे अहमदाबाद में निधन हुआ। अपने सौ साल के जीवन में उन्होंने जीवन जगत के सुनहरे पल देखते हुए इस लोक से विदा ली। पिघतला हिमालय परिवार की श्रद्धांजलि।

विश्व के महान फुटबालर पेले

विश्व के महान फुटबालर एडसन अरांतेस डी नेसिमेंटो उर्फ पेले का 29 दिसम्बर 2022 को साओ पाउलो में निधन हो गया। 82 वर्षीय पेले ब्राजील के सर्वकालिक विजेता खिलाड़ी रहे हैं। तीन विश्वकप जीतने वाले पेले कैंसर से जूझ रहे थे। पिघतला हिमालय परिवार की श्रद्धांजलि।

तहसील स्तरीय पत्रकार संघ गठित

दन्या। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम के सभागार में वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाण्डे की अध्यक्षता में तहसील भनोली के समस्त पत्रकारों की एक बैठक हुई। जिसमें तहसील स्तरीय पत्रकार संघ गठित किया गया। इसके लिये सर्वसम्मति से नवीन सनवाल को अध्यक्ष, शकर दत्त भट्ट को उपाध्यक्ष, बसन्त पाण्डे महासचिव, रविन्द्र बनोला कोषाध्यक्ष गणेश सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शिवदत्त पाण्डे सचिव, खजान पाण्डे को संगठन मंत्री बनाया गया। कैलाश भट्ट उर्फ हेमन्त भट्ट संरक्षक हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाण्डे ने कहा कि क्षेत्रीय विकास व जन समस्याओं के समाधान के लिये पत्रकारों को एकजुट होना चाहिये। इसके लिये सभी पत्रकारों को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। संरक्षक हेमन्त भट्ट ने कहा कि सुंगठन वर्तमान समय की आवश्यकता है। इसके लिये मजबूती से जुटें। पत्रकार संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को समाजसेवी गोविन्द धपोला व शिक्षक योगेन्द्र रावत ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाण्डे, नवीन सनवाल, हेमन्त भट्ट, रवि बनोला, शंकर दत्त भट्ट, बसन्त पाण्डे, खजान पाण्डे, शिवदत्त पाण्डे, गणेश सिंह उपस्थित थे।

तहसील वापसी को लेकर रैली

अल्मोड़ा। तहसील कार्यालय वापसी को लेकर व्यापार मण्डल की ओर से शुरु किये गये आन्दोलन को जनसमर्थन मिलते ही विभिन्न संगठनों ने आक्रोश रैली भी निकाली है। अपनी मांग को लेकर बाजार बन्द का भी व्यापक असर रहा। आन्दोलनकारियों ने शासन प्रशासन से मांग की कि नगर के मध्य स्थित कलेक्ट्रेट को शहर से करीब सात किमी दूर शिफ्ट करने से आम जनता को परेशान होना पड़ रहा है। कहा कि जब तक तहसील वापसी नहीं हो जाती चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। जुलूस में सुशील साह, केवल सती, राजेन्द्र प्रसाद, शोभा जोशी, किशन गुरुरानी, आनन्द सिंह बोरा थे।

ज्योतिष की बातें - 109

14 जनवरी 2023 को सूर्य शत्रुराशि मकर में प्रवेश करेगा। वहाँ पर कोई शुभ दृष्टि भी नहीं होगी अतः इस समय सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी अगले एक माह वृश्चिक, सिंह, मेष व मीन राशि के जातकों को सूर्य अपने कारक विषयों स्वास्थ्य, पराक्रम, यश, प्रतिष्ठा, आत्मबल, आदि में अल्प मात्र में शुभफल प्रदान कर सकता है। अन्य राशियों को एक माह प्रतीक्षा करनी चाहिए।

मकर संक्रान्ति- खरमास समाप्त होकर, मकर संक्रान्ति से देवताओं का दिन और मनुष्यों का उत्तरायण प्रारम्भ हो जाता है। यह समय यज्ञोपवीत आदि शुभ कार्यों के लिए अच्छा होता है। 14 तारीख को रात्रि में 8.45 पर सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा। चूंकि सूर्यास्त से 3 घटी से अधिक समय के बाद मकर संक्रान्ति लगेगी इसलिए पुण्य काल अगले दिन रविवार को होगा ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

वाहनों की भीड़ -सरल

आजकल सड़कों पर भीड़ निरन्तर बढ़ती जा रही है। सुबह और शाम विशेष रूप से शहरों में अफरातफरी जैसा माहौल रहता है। देश में कई करोड़ लोग प्रतिदिन यात्रा ट्रेन से, बस से अथवा अपने निजी वाहनों से करते हैं। गाड़ियाँ निरन्तर बढ़ते चले जाने के कारण सड़कें चौंड़ी की जा रही है। सिंगल लेन से डबल लेन, डबल लेन से फोर लेन, और अब फोर लेन से एट लेन हो रही हैं। सैकड़ों, हजारों फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। वाहनों की स्पीड भी बढ़ाई जा रही है। इस प्रकार गाँवों और खेतों की जमीन निरन्तर चौंड़ी चौंड़ी सड़कों में डूबती चली जा रही है। शहरों में सड़कें चौड़ी करने के लिए दुकानों मकानों को पीछे किया जा रहा है। इतना सब उपाय करने पर भी वाहनों की भीड़ कम नहीं हो रही है। हाईवे पर स्पीड का कहर, सड़कों पर अफरा तफरी और चौराहों पर जाम फिर भी बढ़ता जा रहा है। इसका क्या कारण है? इस पर किसी ने भी विचार नहीं किया।

मेरे विचार से एक ही उपाय पर्याप्त है कि छात्रों के स्कूल उनके निवास स्थान के पास ही हों। 14 वर्ष तक के छात्र अपने घर से विद्यालय पैदल ही जा सकें और बड़े छात्र अपने छात्रावास से कोलेज पैदल ही जा सकें, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए भले ही शिक्षा व्यवस्था में कुछ सुधार करना पड़े। इतने मात्र से भीड़ आधी रह जाएगी। यदि कर्मचारियों के कार्यस्थल भी उनके निवास स्थल के पास ही पैदल दूरी पर हों तो सड़कों पर वाहनों की भीड़ और भी कम हो जाएगी। शिक्षा अथवा रोजगार के लिए प्रतिदिन आवागमन की व्यवस्था को प्रायः समाप्त किया जाना चाहिए।

लघु कहानी चाँदी -दीवान सिंह कठायत

सोने के जेवर बना पाना हमारी हैसियत से बाहर है पोथी, हमारी शादी में चाँदी के कानफूल और जंजीर ही मिली थी मुझे, चलो तुम्हारी शादी में चाँदी के पाजेब, बिछुआ व अंगूठी भी बहू के लिए और बना देंगे. सोने के गलोबंद का इंतजाम हो चुका है. गाँव के आन सिंह पधान की बहू से मांग लूंगी शादी के दिन के लिए, फिर दूसरे दिन वापस कर देंगे, कहती हुई माँ ने अपने इकलौते पुत्र कल्याण सिंह को विवाह की तैयारी की सारी बातें समझाई। कल्याण के पिता की बीमारी से अल्पायु में हुई मृत्यु तथा गरीब पहाड़ी परिवार की विधवा मोहनी देवी ने दूध, सब्जी आदि बेचकर किसी तरह अपने पुत्र कल्याण व पुत्रियों कमला और गोपुली को पाला पोषा था। विवाह योग्य होने पर साधारण तरीके से कमला व गोपुली के हाथ पीले तो कर दिए लेकिन कल्याण की शादी की बात उसे काटे जा रही थी। दसवीं में फेल होने के बाद कल्याण फकीर सिंह के बेटे किशोर के साथ दिल्ली चला गया और ट्रकों में क्लीनरी करने लगा था। नेशनल परमिट के ट्रकों में रातदिन देश के कौने-कौने में भ्रमण करते रहने से वह साल भर में ही अच्छा ड्राइवर बन, अब भारी ट्रक चलाने लगा था। माँ सयानी हो चली थी और जल्दी पुत्र का विवाह कर जिम्मेदारी पूरी करना चाह रही थी तथा साथ के लिए लिए बहू भी. गरीब पहाड़ी परिवार के तौर-तरीकों से कल्याण की शादी सम्पन्न हो गई। दस पन्द्रह दिन ही घर रहकर वह दिल्ली चला गया और पूरे मनोयोग से काम पर जुट गया। इस बीच वह अपनी पत्नी व माँ को भी दिल्ली ले आया.शराब व अन्य नशों से दूर रहकर उसने रात दिन कठोर मेहनत की और अच्छी कमाई करने लगा परिणामस्वरूप स्वयं ट्रक का स्वामी बनकर गाड़ी चलाने लगा. धीरे-धीरे कल्याण आठ ट्रकों का मालिक बन ट्रांसपोर्ट कम्पनी का आप्रेटर बन गया।

अब समृद्धि उसके चारों ओर घूमने लगी। आज वह शहर में दो मकान तथा अनेक प्लाटों का स्वामी और कई दुकानों का मालिक है। बच्चे पढ़ लिखकर काम संभालने लगे हैं। गाँव में भी उसने सभी सुविधाओं से पूर्ण आलीशान घर बना दिया है जहाँ गर्मियों में सपरिवार प्रवास पर आता है। लोग कहते हैं अब तो कल्याण की चाँदी ही चाँदी है। बड़े बेटे के विवाह के अवसर पर उसने बहू के लिए सिर से पाँव तक ढेर सारा सोने का जेवर बनवाया लेकिन फिर भी मन तृप्त नहीं। नईनवेली बहू को स्वर्णाभूषणों से लदा हुआ देख उसे अपनी शादी का वह दिन याद हो आया जब केवल चाँदी के ही चार छोटे से जेवर बन पाए थे और सोने का गलोबंद मांगकर लाया गया था। उसकी मायूस नजरें अब बूढ़ी माँ मोहनी देवी के चेहरे की झुर्रियों पर टिक गईं जिनमें बहुत बड़ा इतिहास छिपा था तब की चांदी और अब की चाँदी का बड़ा अन्तर समाहित था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तरायणी से पहले उत्थान मंच का घमासान

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच और गवर्नमेंट आफिशियल को.सो. का विवाद

हल्द्वानी। इस बार उत्तरायणी से पहले हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच का घमासान मच गया है। हीरानगर स्थित भूमि पर उत्थान मंच और गवर्नमेंट आफिशियल कोआपरेटिव सोसाइटी के बीच मन्दिर निर्माण को लेकर उपजे विवाद के बाद प्रशासन ने रिसीवर नियुक्त किया।

प्रशासन ने हीरानगर में सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिये प्रशासक को नियुक्त किये जाने को लेकर काफी मत्थापच्ची की और अन्ततः रिसीवर नियुक्त किया। असल में हीरानगर स्थित भूमि पर गोलज्यू का मन्दिर स्थापित है, इसके पास ही सोसाइटी के लोग शिव मन्दिर स्थापना करना चाह रहे हैं। इसी को लेकर मंच और सोसाइटी का विवाद तूल पकड़ता चला गया। सोसाइटी का दावा है कि यह भूमि उनकी है और उत्थान मंच पर्वतीय संस्कृति के नाम पर मनमर्जी कर रहा है। इसके स्वयंभू पदाधिकारी संस्कृति की आड़ में भ्रम कर रहे हैं। दूसरी ओर मंच के पदाधिकारियों का तर्क है कि पर्वतीय संस्कृति को बचाने के लिये वह कार्य कर रहे हैं। कुछ असमाजिक तत्व विगत 40 वर्षों से आयोजित हो रहे उत्तरायणी महोत्सव की तैयारियों को बाधित करने की साजिश कर रहे हैं। यह भी बताते चलें कि हल्द्वानी स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की स्थापना के दौरान शक्ति प्रेस पिघलता हिमालय का कार्यालय ही इसका कार्यालय बना था। सारा पर्वतीय समाज जोश के साथ जुड़ा। एक आन्दोलन के बाद हीरानगर स्थित भूमि पर मंच कार्यालय स्थापित हो गया। बाद के वर्षों में इसके महासचिव और पिघलता हिमालय सम्पादक आनन्द बल्लभ उप्रेती ने समाज में बढ़ती उच्छृंखलता को देख अपने को इससे अलग कर दिया।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह

पकड़ में यूकेएसएसएससी के माध्यम से सरकारी विभागों में नौकरी का झांसा

हरिद्वार। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएसी) के माध्यम से सरकारी नौकरी लगाने का खेल करने का भण्डाफोड़ होने के बाद से लगातार सुराग मिलते जा रहे हैं। अब ठगी करने वाली महिला नेता समेत चार पुलिस की पकड़ में आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी फर्जी नियुक्ति सेन्टर चलाकर ठगी का धन्धा करते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह बताया है कि देहात क्षेत्र में बेरोजगारों को विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी हो रही थी। आरोपियों में नेता के दो सगे भाई शामिल हैं और इनके पास से फर्जी नियुक्ति पत्र भी मिले हैं। यह लोग अपेन को आयोग का सदस्य बताकर 5 से 10 लाख तक रुपये लेते थे।

बताया जा रहा है कि आरोपी महिला रेणु नौटियाल पूर्व सीएम हरीश रावत की करीबी हैं। वर्ष 2016 में वह लक्सर क्षेत्र में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ चुकी हैं।

इस बीच पेपल लीक प्रकरण मामले में गिरोह के दो और सदस्यों की सम्पत्तियां जब्त करने की तैयारी है। इसमें चन्दन मनराल और अंकित रमोला शामिल हैं। पेपल लीक मामले में एसटीएफ ने अब तक 43 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें हाकम सिंह, आरएएस सॉल्यूशन कम्पनी के मालिक राजेश कुमार समेत 24 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की गई थी। एसटीफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल के अनुसार मनराल और रमोला की सम्पत्तियों का आंकलन पूरा कर लिया गया है। जल्द ही इनकी सम्पत्तियां जब्त की जाएंगी। बताया जाता है कि चन्दन मनराल ने 2015 से नौकरी के नाम पर ठगी करते हुए करोड़ों रुपये का मालिक बन गया। रमोला ने 40 लाख की सम्पत्ति अर्जित कर ली।

सीमान्त के गाँवों को 'प्रथम पंक्ति गाँव' के रूप में विकसित करेंगे : पुष्कर सिंह धामी

परिक्रमा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उनकी सरकार माणा-मुनस्यारी व अस्कोट-आराकोट के सीमान्त गाँवों को 'अन्तिम गाँव' के स्थान पर प्रधान मंत्री की संकल्पना के अनुरूप 'प्रथम पंक्ति' के प्रथम गाँवों की तरह विकसित करने के लिये दृढ़प्रतिज्ञ हैं। सरकार ने बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत इन्हीं गाँवों को एक प्रहरी का रूप भी दिया है। जिसे प्रधानमंत्री ने अपने स्तर पर गहन चिन्तन-मंथन कर इनको आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री ने सीएम आवास में 'सीमान्त क्षेत्रों में आपदा प्रभावित महिला केन्द्रित आजीविका प्रबन्धन कार्यक्रम' की शुरुआत करते हुए बताया कि एसबीआई फाउंडेशन, हेस्को तथा यूकॉस्ट के सम्मिलित प्रयासों से 'सीमान्त क्षेत्र में आपदा प्रभावित महिला आजीविका प्रबन्धन कार्यक्रम' के तहत राज्य के सीमान्त क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका, स्वरोजगार के अवसरों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत दस सीमावर्ती गाँवों में वहाँ की आजीविका और पारिस्थितिकी के साथ ही आपदाओं की चुनौतियों को भी समझते हुए यहाँ के स्थानीय जनसमुदाय को सबल आजीविका के साथ तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि वर्तमान में विकास योजनाएं उनके लिए बन रही हैं जिन्हें वास्तव में उनकी आवश्कता है। स्वच्छ भारत, हर घर शौचालय जैसी योजनाएं प्रत्यक्षतः आम जनमानस को प्रभावित करती हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने आम नागरिक के जीवन में मूलभूत बदलाव किया है। इस अवसर में हेस्कों के अनिल जोशी, एसबीआई फाउंडेशन ललित मोहन, किलफोर्ड डी कोस्टा व समूह के सदस्य उपस्थित थे।

स्वरोजगार को मत्स्य तालाब का निर्माण

नेपाल सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी दी

लोहाघाट। नेपाल सीमा से लगे शिलिंग, बाकू के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का बीडीओ ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी दी।

बीडीओ कमल किशोर पाण्डे ने बताया कि ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये मत्स्य तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। प्रशासन की पहल पर विकास खण्ड के दूरस्थ शिलिंग गाँव में ग्रामीणों के लिये मत्स्य तालाब बनाए जा रहे हैं। अभी तक गाँव में सात लोगों के मत्स्य तालाब बनाए गए हैं। जिसके माध्यम से ग्रामीण अच्छा लाभ अर्जित कर रहे हैं। बीडीओ ने ग्रामीणों को मत्स्य पालन से होने वाले लाभों की जानकारी देने के साथ ही अधिकाधिक लोगों को मत्स्य पालन कार्य को अपनाने के लिए प्रेरित किया। पानी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए सिलिंग को मत्स्य ग्राम के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के लाभ से वंचित लोगों को मत्स्य तालाब उपलब्ध कराए जाएंगे। बीडीओ पाण्डेय ने बताया कि मनरेगा के तहत 70 हजार रुपये से तालाब बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग के सहयोग से ग्रामीणों के तालाबों में मछलियों के बीज डाले जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से भविष्य में आबादी के निकट अमृत सरोवर बनाने को कहा। ताकि उसमें डाले जाने वाले मछली के बीजों की भलीभांति देखभाल हो सके। भ्रमण के दौरान बीडीओ ने विभिन्न विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन किया और कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी दीपक टम्टा, नारायण कार्की, जेई मनरेगा आई. डी. शर्मा व ग्रामीण उपस्थित थे।

रोपवे बनने से पूर्णागिरी श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

१५ जून २०१५ को ढूलीगाड़ के पास रोपवे का शिलान्यास किय गया था।

चम्पावत/टनकपुर। पूर्णागिरी धाम के लिये शीघ्र ही रोपवे का कार्य शुरु होगा। इसके लिए शासन स्तर से कवायद जारी है। नौ सौ मीटर रोपवे निर्माण के बाद पूर्णागिरी दर्शन के लिये आने वाले श्रद्धालुओं को राहत होगी। साथ ही रोजगार के अवसर व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

बताते चलें कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये 5 जून 2015 को तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने ढुलीगाड़ के पास रोपवे का शिलान्यास किया था। रोपवे का निर्माण कार्य दिसम्बर 2016 तक पूरा होना था। इसके लिये पीपीपी मोड में 35 करोड़ रुपये भी स्वीकृत कर दिए गए थे। हनुमान चट्टी से काली मन्दिर तक 903.225 मीटर लम्बे रोपवे के लिए प्रदेश सरकार ने बजट भी स्वीकृत किया परन्तु एलाइनमेंट और पहाड़ी के कच्चे होने के दावे से रोपवे में लगातार बाधार होती रही है। कुछ समय पूर्व एलाइनमेंट ढुलीगाड़ से भी चयनित किया गया था लेकिन तकनीकी खामी से रोपवे निर्माण का रास्ता साफ नहीं हो सका। अब हाल फिलहाल सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रोपवे का कार्य शीघ्र शुरु करने को कहा है। श्री धामी अपने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में लगातार टोह ले रहे हैं कि किस प्रकार से कुछ कार्य हो सकें। इसके लिये मुख्यमंत्री शिविर कार्यालय से भी इस प्रकार की मांग स्थानीय लोगों के द्वारा की जाती रही है। इधर जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़ ने बताया कि रोपवे निर्माण के लिये दिल्ली की एक कम्पनी को हायर किया गया है जो इसे बनाएगी।

इस बीच प्रदेश शासन ने नेपाल सीमा से लगे तल्लादेश के तामली को टनकपुर-जौलजीवी रोड से जोड़ने के लिये कार्रवाई तेज कर दी है। सड़क लिंक हो जाने के बाद तामली से टनकपुर की दूरी मात्र 66 किमी रह जाएगी। जबकि इस समय तक 107 किमी की दूरी घूमकर आना पड़ता है। लोनिवि ने इस कार्य की प्रक्रिया की पुष्टि की है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अतिक्रमण की बड़ी कार्रवाई पर देशभर के मीडिया घराने व नेता हल्द्वानी में जुटे

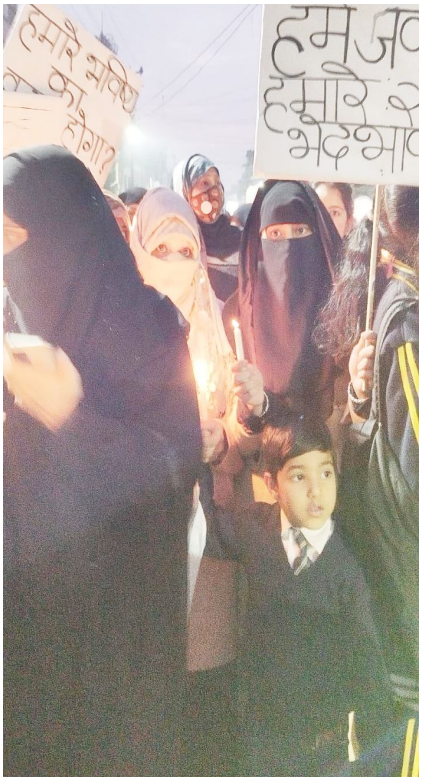

प्रथम पृष्ठ का शेष

हैं। एक ओर जब हजारों लोगों में यह पहचान करना कठिन है कि कौन कितना घातक बनकर अपना गुस्सा दिखा सकता है, दूसरी ओर पुलिस-प्रशासन के लिये भारी चुनौती है। चर्चा तो यह भी है कि इस पूरे हालात को जानने के लिये देश भर के मीडिया घराने और बड़े नेता हल्द्वानी पहुँच चुके हैं। स्थितियां जो भी बनेंगी उसका प्रचार-प्रसार व अपनी प्रतिक्रिया इनके द्वारा होनी है। इसके अलावा कट्टर नेता भी अपनी तरह से बात करने के लिये बैठकें कर रहे हैं। इनके आह्वान का प्रभाव निश्चित रूप से आम जनता में होता है। फिलहाल आम जनता को इतना तो समझ आ रहा है कि कोर्ट के आदेश के बाद वह ऐसा कोई हुड़दंग न करें कि कानून की गिरफ्त में आ जाएं। यही कारण है कि प्रदर्शन के दौरान इन्होंने शन्तिपूर्वक जुलूस निकाला और कैंडल मार्च करते हुए राजनीतिक रंग देने वालों पर नाराजगी जताई। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि हम तो पीड़ित हैं लेकिन इसे राजनीति की चतुराई में न तोला जाए। यही कारण था कि जुलूस में नेतागर्दी बन्द करो, राजनीति मुद्दाबाद के नारे भी लगाए गये। कैंडल मार्च में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उपनेता भुवन कापड़ी, विधायक सुमित हृदयेश, नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, जसपुर विधायक आदेश चौहान, भाकपा माले नेता बहादुर सिंह जंगी, हाजी सुहैल सिद्दकी, सपा प्रदेश प्रभारी अब्दुल मतीन सिद्दकी, पार्षद मुहम्मद गुफरान, अरशद अयूब भी शामिल थे।

यह तो सबको समझ पहले ही आने लगा था कि रेलवे भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिये पूरी तैयारी है लेकिन राजनीति के घेरे में बचते बचते यह माना जा रहा था कि कोई रास्ता निकल जायेगा परन्तु उलझाने वाली राजनीति में अब सबकुछ कठिन है। यही कारण है कि कमिश्नर ने आपात बैठक कर पूरी रणनीति पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने कार्रवाई के दौरान हर प्रकार की तैयारी के लिये निर्देश दे डाले। इस बड़े अभियान में कोतवाली और वनभूलपुरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी ओवरहेड टैंक व मोबाइल टावरों के एक्सिस प्वाइंट ब्लाक करने के निर्देश हैं। इस क्षेत्र में 18 ओवरहेड टैंक और 22 मोबाइल टावर हैं। कार्रवाई के दौरान प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिये हर प्रकार की तैयारी को उच्चाधिकारी देख चुके हैं। अस्थाई जेल के रूप में उधमसिंह नगर में तैयारी है। यह हो चुका है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान फोर्स और अधिकारियों के मूवमेंट को देखते हुए जिला प्रशासन कुछ सड़को को रिजर्व पर रखेगा। इन पर वाहन नहीं चलने के अलावा ठेके और रेहड़ी वाले भी नहीं रुकेंगे। नैनीताल रोड, शनिबाजार, तीनपानी बाइपास रोड, रेलवे बाजार वाली सड़क सहित रेलवे स्टेशन को जाने वाली मुख्य सड़कों पर इस दौरान ठेले नहीं लगेंगे। नैनीताल रोड पर टैम्पो संचालन भी सीमित रहेगा। अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस फोर्स, अधिकारियों को जाने-ले जाने के लिए करीब 250 वाहनों की आवश्यकता देखते हुए आरटीओ टीम तैयार है। इसमें 150 बसें और 100 छोटे वाहनों का अधिग्रहण किया जा रहा है। पुलिस फोर्स के लिये अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम, मिनी स्टेडियम हल्द्वानी, राम मन्दिर धर्मशाला, रामलीला ग्राउण्ड, अग्रसेन धर्मशाला, अम्बेडकर पार्क दमुवाढूंगा, गुरुतेग बहादुर स्कूल, बागजाला, मोटाहल्दू, स्वास्थ्य विभाग हॉस्टल, नई मण्डी हल्द्वानी स्थल तैयार हैं। अतिक्रमण की जद में आए दो इण्टर कालेज भी टूटने हैं, ऐसे में इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई दूसरे स्कूल में होगी। इसी प्रकार की तमाम तैयारियों के साथ प्रशासन दिन-रात जुटा है।इतना होते हुए भी आशा-उम्मीद सबको होती है। वनभूलपुरा के लोगों ने उम्मीदों के साथ रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट सहित अन्य को ज्ञापन सौंपा। बात विस्थापन की होने लगी है। याने आँसुओं के समन्दर में तैरने वालों की भीड़ जुटी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नववर्ष २०२३ की हार्दिक शुभकामनाएं-

भूपेन्द्र सिंह पांगती
गंगोत्री सदन
निंबूवाला
गढ़कैण्ट
देहरादून

बी.बी.मर्तोलिया
25-एच निंबूवाला, गढ़ीकैण्ट
देहरादून

दलजीत सिंह टोलिया
तहसील वार्ड
डीडीहाट

गंगा सिंह मेहता
अध्यक्ष व्यापार मण्डल
थल

आर.एस.पांगती
दोनहरिया, भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

माघ कृष्ण पक्ष
10 जनवरी- संकष्टी
12 जनवरी- राष्ट्रीय युवा दिवस
14 जनवरी- उत्तरायणी
15 जनवरी- कालाष्टमी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)